

खबर संक्षेप

रक्तदान कर थाना प्रभारी ने महिला की बचाई जान, रक्तदान महा कल्याण



अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज पुलिस थाना में पदस्थ हुए थाना प्रभारी हेमंत नायक जी ने एक गंभीर रूप से ज़िंदगी और मौत से जुड़ा रही महिला की जान अपना रक्तदान करके बचाई सोशल मीडिया के माध्यम से जैसे ही उन्हें ज्ञात हुआ की एक महिला जिसका नाम श्रीमती रोशनी कोरी है वह गर्भवती थी पेट में ही बच्चा खत्म हो जाने की वजह से महिला को ज़िंदगी और मौत के बीच लटक गई वह मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने तत्काल ही एक यूनिट ब्लड अपने शरीर का दान करके महिला की जान बचाई और एक बड़ी मिसाल जिला पुलिस प्रशासन के समक्ष पेश की इस मौके पर आपने बताया की रक्तदान सभी को कम से कम 6 माह में दान करना चाहिए इससे हमारे शरीर का सारा सिस्टम सही रहता है और शरीर में कोई भी बीमारी बनती है तो वह उजागर हो जाती है और उसका भी समावेश हम कर पाने में सक्षम होते हैं इसलिए आपने इस मौके पर कहा कि रक्तदान महा कल्याण आपके साथ आपके दीवान शिवम शर्मा मौके पर उपस्थित रहे थाना प्रभारी जी अपनी पेशी को लेकर पन्ना गए हुए थे जहां उन्होंने यह रक्तदान की मांग सोशल मीडिया पर देखते हुए तत्काल ही निर्णय लिया और यह काम करके एक महिला की जान बचाने में आप सफल हुए।

अवैध बका लहराकर आमजन को भय कारित करने वाले आरोपी सोने सिंह को 2 वर्ष का सश्रम कारावास एवं जुर्माना

पन्ना। माननीय न्यायालय श्रीमती रीतिका (मिश्रा) पाठक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पन्ना जिला पन्ना, की न्यायालय ने आरोपी सोने सिंह गौड़ को अवैध रूप से बका लेकर घूमने के आरोप में 02 वर्ष का कारावास तथा अर्थदण्ड से दंडित किया। शासन की ओर से पैरवी अमन चौबे, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा की गयी। कार्यालय जिला अभियोजन संचालनालय पन्ना के मीडिया प्रभारी/सहा.जि.लोक अभि.अधि. मानवेन्द्र सिंह के बताये अनुसार घटना संक्षेप में इस प्रकार है

कि, दिनांक 31.07.2020 को चौकी कल्दा थाना सलेहा में इस आशय की प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख की गई कि दिनांक 30.07.2020 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम टीकुलपोडी के तिराहा पर भमका का सोने सिंह गौड़ अवैध बका लिये घूम रहा है, मुखबिर की सूचना पर हमराही पुलिस बल एवं राहगीर गवाह को साथ लेकर टीकुलपोडी तिराहा पहुंचा, गवाहों को दिखाया जो एक व्यक्ति अपने दाहिने हाथ में लोहे का धारदार तलवारनुमा बका लिये लहराता हुआ घूम रहा था, जिसको गवाहों की मदद से घेरकर मय बका के



साथ पकड़ा। बका लिये व्यक्ति से उसका नाम पूछा तो उसने अपना नाम सोने सिंह गौड़ पिता स्व. जहान सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम भमका

का रहने वाला बताया, एवं सोने सिंह गौड़ से बका रखने के सम्बंध में लाईसेंस पूछा जिसने अवैध रूप से लिये होना बताया। चौकी कल्दा की उक्त रिपोर्ट के आधार पर थाना सलेहा में असल अपराध क्रमांक 290/2020 में प्रकरण दर्ज कर आयुध अधिनियम की धारा 25(1-बी) के आरोप में प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध की गयी। संपूर्ण अनुसंधान उपरांत अभियुक्त के विरुद्ध आयुध अधिनियम की धारा 25(1-बी) के आरोप में अभियोग-पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन द्वारा साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके

से लेखबद्ध कराकर न्यायालय के समक्ष आरोपी सोने सिंह गौड़ के विरुद्ध अपराध को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी के कृत्य को गंभीरतम श्रेणी का मानते हुये कठोर से कठोरतम दंड से दंडित किया जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्कों एवं न्यायिक दृष्टांतों से सहमत होते हुए माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी सोने सिंह गौड़ को धारा 25(1-बी) आयुध अधिनियम में 02 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 500 रूपए का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

टी.ई.टी परीक्षा को लेकर सड़क पर उतरे शिक्षक, परीक्षा में छूट की मांग को लेकर पवई के शिक्षकों ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



पवई। नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23(2) के तहत 31 मार्च 2015 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को अध्यापक पात्रता परीक्षा (ज्म्ट) से छूट दिए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ इकाई पवई के व्लाक अध्यक्ष मुकेश पाठक के तत्वाधान में सैकड़ों शिक्षकों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शिक्षकों ने कहा है कि भारत सरकार के राजपत्र, छब्ब के विनियम 2001 एवं 2010 तथा हाल ही में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के सिविल अपील नंबर 1385/2025 के निर्णय का हवाला देते हुए 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को ज्म्ट अनिवार्यता से मुक्त राखा जाए। इसके अलावा ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 2001 में अनिवार्य किया गया था, लेकिन 23 अगस्त 2010 की

अधिसूचना से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए ज्म्ट अनिवार्य नहीं था, बल्कि 6 माह का विशेष प्रशिक्षण ही मान्य था। 10-15 वर्ष से अधिक सेवा दे चुके अनुभवी शिक्षकों को अब ज्म्ट के नाम पर सेवानिवृत्त करना नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध है। शिक्षकों ने कहा सरकार इस सारे प्रयोगों के लिए केवल शिक्षक हैं, जिनको बलि की बकरी के समान माना जाता है, चाहे जनगणना हो, चुनाव हो, बीएलओ का कार्य हो सरकार को बस शिक्षक ही नजर आते हैं। शिक्षकों ने मांग की है कि केंद्र सरकार इस संबंध में स्पष्ट एवं संशोधित परिपत्र जारी कर 2010 के पूर्व के कक्षा 1 से 8 तक नियुक्त शासकीय अध्यापकों को ज छूट प्रदान करे। इस दौरान तहसील अध्यक्ष/सचिव मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ शाखा पवई सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और सभी ने हस्ताक्षर कर अपना समर्थन दिया।

गुनौर में किसानों की समस्याओं को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

गुनौर। क्षेत्र के किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं और मांगों को लेकर जिला किसान कांग्रेस पन्ना अध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और किसान प्रतिनिधियों ने महामहिम राज्यपाल (मध्य प्रदेश शासन) के नाम गुन्नौर तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा और अन्दादाताओं को आ रही व्यावहारिक व आर्थिक परेशानियों से तत्काल राहत दिलाने की मांग की। किसान कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन के सामने निम्नलिखित मुख्य मांगें रखी हैं। पटवारियों से ही हो गिरदावरी फसलों की गिरदावरी का कार्य किसी भी प्राइवेट सर्वेयर से न कराकर सीधे हल्का पटवारियों से कराया जाए, ताकि आंकड़ों में गड़बड़ी न हो और निष्पक्ष रिपोर्ट तैयार हो सके। मुआवजा और फसल बीमा का शीघ्र भुगतान, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि व अन्य प्राकृतिक आपदाओं से हुई क्षति का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा और फसल बीमा राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। समय पर खाद-बीज की उपलब्धता रू आगामी फसलों की बुआई को देखते हुए किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद व उन्नत बीज मुहैया कराए



जाएं। 10 से 12 घंटे निर्बाध बिजली रू सिंचाई के लिए कम से कम 10 से 12 घंटे बिना कटौती के बिजली दी जाए और किसानों को भेजे जा रहे अत्यधिक व फर्जी बिजली बिलों में तुरंत सुधार किया जाए।

मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी
जिलाध्यक्ष सेवालाल पटेल ने प्रशासन को कड़ा

संदेश देते हुए कहा कि यदि किसानों को इन वाजिब मांगों का निराकरण शीघ्र नहीं किया गया, तो किसान संगठन सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने का बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर गुन्नौर ब्लॉक अध्यक्ष सहित कांग्रेस एवं स्थानीय क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व किसान प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महिला वनकर्म का प्रदेश स्तरीय वन्य जीव संरक्षण पुरस्कार के लिए चयन

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल के रेपुरा परिक्षेत्र में पदस्थ परिक्षेत्र सहायक श्रीमती रंजना नागर का चयन २-पदकप एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन के प्रतिष्ठित अवॉर्ड के लिए किया गया है। वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें पवास हजार पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र से 10 सितम्बर 2026 को मोपाल में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि दक्षिण पन्ना वनमंडल के साथ पूरे पन्ना जिले के लिए गौरव का विषय है। श्रीमती नागर ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उनके उल्लेखनीय कार्यों में भालू के शिकार प्रकरण की जांच एवं आरोपियों को पकड़ने में योगदान, नीलगाय तथा 16 जंगली सूअरों का रेस्क्यू, कुएं में गिरे तेंदुए एवं बछड़े के बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका, वनभूमि से अतिक्रमण हटाना तथा अवैध कटाई एवं अन्य वन अपराधों की रोकथाम



शामिल है। उनके द्वारा नियमित रात्रि एवं मानसून गश्त के दौरान बाण्ड, विद्युत लाइनों और जलस्रोतों की निगरानी भी की जाती रही है। वन्यजीव संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने में भी उनका विशेष योगदान रहा है। ग्राम वन समितियों की नियमित बैठकों एवं चरवाहा सम्मेलनों के माध्यम से ग्रामीणों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ ही सर्पदंश से बचाव के लिए मच्छरदानी, टॉप एवं विशेष स्नेक काउंड और साप-सौदी जागरूकता सामग्री का वितरण किया गया। ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप के अंतर्गत संवेदनशील वन एवं वन्यजीव क्षेत्रों में नियमित पैदल गश्त तथा "फ्री मिट्टी, फ्री किट्टी" अभियान के तहत पालतू बनाए गए तोता एवं कछुओं को मुक्त कर प्राकृतिक आवास में वापस पहुंचाने जैसे प्रयासों में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। उनके समर्पित कार्यों के लिए पूर्व में भी जिला स्तर पर उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

जनपद शिक्षा केंद्र गुन्नौर में बीआरसी गणेश शंकर के गायब रहने से लोग परेशान, उच्चाधिकारियों से कार्रवाई की मांग

गुन्नौर। जनपद शिक्षा केंद्र गुन्नौर में प्रशासनिक लापरवाही और अधिकारियों की स्वेच्छाचारिता चरम पर है। जनपद शिक्षा केंद्र प्रबंधक (बीआरसी) गणेश शंकर के नियमित रूप से दफ्तर में उपस्थित न रहने के कारण रोजाना दूर-दराज के गांवों से आने वाले शिक्षक, अभिभावक और आम जनता भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी की अनुपस्थिति से विभागीय कामकाज पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि वे अपने बच्चों के दाखिले, छात्रवृत्ति, टीसी प्रमाणीकरण और अन्य शासकीय



कार्यों के सिलसिले में जनपद शिक्षा केंद्र के चक्कर काटने को मजबूर हैं। दफ्तर पहुंचने पर पता चलता है कि साहब अपनी सीट से गायब हैं। कर्मचारियों से पूछने पर कोई



संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, जिससे दूर-दराज से पैसा और समय खर्च करके आने वाले ग्रामीणों को निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों

क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था कैसे दुरुस्त होगी उच्चाधिकारियों से निरीक्षण व सख्त कार्रवाई की मांग क्षेत्रीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर पन्ना एवं जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि जनपद शिक्षा केंद्र गुन्नौर का तत्काल औचक निरीक्षण कराया जाए। दफ्तर से अनुपस्थित रहने वाले प्रबंधक गणेश शंकर के खिलाफ अनुशासनात्मक व सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाए, ताकि शासकीय कार्यालयों में जवाबदेही तय हो सके और आमजन को हो रही मानसिक व आर्थिक परेशानी से राहत मिल सके।

बमीटा-सतना मार्ग पर सड़क सुधार के नाम पर खानापूर्ति का आरोप, तीन किलोमीटर तक फैली मिट्टी बनी हादसों का कारण



नेशनल हाईवे के गड्ढों में डाली मिट्टी, बारिश में कीचड़ के पहाड़ और अब उड़ रही धूल

देवेन्द्रनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग-39 के बमीटा-सतना मार्ग की बदहाली को लेकर लगातार सवाल उठने के बाद अब सड़क सुधार के नाम पर किए जा रहे काम ने ही व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहाँ से सड़क मरम्मत की मांग कर रही जनता का कहना है कि सरकार बजट बनाती है, ठेका होता है, लेकिन ठेकेदार के काम की निगरानी करने वाला तंत्र आखिर कहाँ गायब हो जाता है? बमीटा से सतना तक करीब 97 किलोमीटर लंबे मार्ग में चंद्रनगर, मड़ला, पन्ना, देवेन्द्रनगर और नागौद जैसे प्रमुख कस्बों के अलावा कई छोटे गांव आते हैं। इन आबादी वाले क्षेत्रों को छोड़ दें तो मार्ग का बड़ा हिस्सा सुनसान रहता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब ठेकेदार कस्बों और मुख्य बाजारों की सड़क ही ठीक नहीं कर पा रहा, तो सुनसान हिस्सों में किए गए काम की गुणवत्ता की निगरानी आखिर कौन कर रहा है?

गड्ढों में मिट्टी डालना किस मापदंड में आता है?
देवेन्द्रनगर में पिछले चार-पांच दिनों पहले सड़क के बड़े-बड़े गड्ढों को भरने के नाम पर ठेकेदार द्वारा

उनमें सीधे मिट्टी डाल दी गई। बारिश होते ही यही मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गई और वाहनों के पहियों से चिपककर करीब तीन किलोमीटर तक सड़क पर फैल गई। अब बारिश थमने के बाद यही मिट्टी सूखकर धूल के पहाड़ में बदल रही है। हालात यह हैं कि एक वाहन के गुजरते ही पीछे धूल का ऐसा गुबार उठता है कि लगभग दस फीट दूर तक भी कुछ दिखाई देना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रतिदिन दुपहिया वाहन चालक और ऑटो चालक फिसलकर गिर रहे हैं तथा राहगीरों को दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़क के गड्ढों को भरने के लिए मिट्टी डालने का मापदंड आखिर किस तकनीकी नियम के तहत तय किया गया? क्या सड़क निर्माण अथवा मरम्मत की निगरानी करने वाले अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर इस कार्य की गुणवत्ता जांची? ठेका 97 किलोमीटर का, काम सवालों के धरे में स्थानीय लोगों का आरोप है कि जहां भी थोड़ा-बहुत सड़क सुधार कार्य किया गया, उसकी गुणवत्ता निम्नतर से भी निम्नतर दिखाई दे रही है। ऐसे में करीब 97 किलोमीटर के पूरे मार्ग पर हुए अथवा हो रहे कार्य की तकनीकी जांच कराना जरूरी हो गया है। जनता यह भी जानना चाहती है कि सड़क मरम्मत के लिए निर्धारित राशि का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है और कार्य की माप-पुस्तिका तथा गुणवत्ता परीक्षण किस आधार

पर हो रहे हैं। सड़क बदहाल, फिर भी टोल वसूली क्यों? सड़क की बदहाल स्थिति के बीच लगातार टोल वसूली को लेकर भी आमजन में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि न सड़क ठीक हो रही है और न टोल वसूली बंद हो रही है। जब सड़क पर सुरक्षित आवागमन तक मुश्किल हो गया है, तो वाहन चालकों से लगातार टोल वसूली किस आधार पर जारी है? प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से कई बार शासन-प्रशासन को सड़क की स्थिति से अवगत कराया जा चुका है और आमजन ने उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है। अब देखा जा रहा है कि लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद संबंधित विभाग मौके पर पहुंचकर सड़क की गुणवत्ता की जांच करता है या फिर कागजी खानापूर्ति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

लाइफ स्टाइल कार्यक्रम में एन.सी.सी. कैडेट्स ने दिया स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छता का संदेश



गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम एवं स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का संदेश दिया गया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों एवं छात्र कैडेट्स ने स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ ली। इस कार्यक्रम में लगभग 50 छात्र कैडेट्स एवं अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।

जहरीली शराब से मौतों के विरोध में नगर कांग्रेस पन्ना का प्रदर्शन



खान राजा बाबू पटेल, सत्यम उपाध्याय, भोले कुशवाहा, अजय बाजपेयी, पवन पाठक, धीरेन्द्र पाठक विक्रम सिंह, शायान, अमन, रोशन, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पन्ना। सागर जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के विरोध में बुधवार को नगर कांग्रेस कमेटी पन्ना के तत्वावधान में कैडिल मार्च निकाला गया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र प्रभाकर अवस्थी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता अंबेडकर चौक से गांधी चौक तक कैडिल मार्च में शामिल हुए। जमकर की नारेबाजी कैडिल मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जहरीली शराब से हुई मौतों को लेकर आक्रोश जताते हुए जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने घटना के जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई की मांग उठाई। अंत में 2 मिनट का मौन धारण कर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इनकी रही उपस्थिति - जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीश खान, पूर्व अध्यक्ष शिवजीत सिंह, सुनील अवस्थी, दीपक तिवारी, सौरभ पटेरिया, कदीर खान, धीरेन्द्र पाठक, विश्राम कोरी, संजय पटेल, शशीकांत दिक्षित, बृजेंद्र दुबे, अजय बाजपेयी, वेदांत मिश्रा, सुरेंद्र आदिवासी, शिवलाल सेन रामदास जाटव, सचिन वर्मा, रोशन कोरी, श्रीमती विमला सिंगरौल, ब्रजेन्द्र यादव, इरफान खान फैज मोहम्मद फैयाज मोहम्मद, राम खान रियासत

नया कर्मचारियों पर महिला से मारपीट और पैसे छीनने का आरोप



छतरपुर। शहर में नगर पालिका के उच्चनदस्ता कर्मचारियों पर सब्जी की दुकान लगाने वाली एक महिला के साथ देर रात मारपीट करने और उसके पास रखे पैसे ले जाने के आरोप लगे हैं। घटना होमगार्ड कार्यालय के पास की बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, देर रात सड़क किनारे सब्जी की दुकान लगाए महिला का नगर पालिका के उच्चनदस्ता कर्मचारियों से विवाद हो गया। महिला ने आरोप लगाया कि कर्मचारी संतोष रैकवार, उमेश बोहत, अंकित रजक, राहुल बाल्मीकि और नरेश प्रजापति शराब के नशे में थे और उन्होंने उसके साथ मारपीट की। महिला का यह भी आरोप है कि मारपीट के बाद कर्मचारी उसके पास रखे पैसे लेकर चले गए।घटना के बाद महिला ने मामले में पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। हालांकि, एफआईआर दर्ज नहीं होने से नाराज फुटपाथ दुकानदारों में आक्रोश फैल गया। इसके विरोध में बड़ी संख्या में फुटपाथ दुकानदार सड़क पर उतर आए और सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने नगर पालिका कर्मचारियों पर लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

श्रम प्रहरी बनें नागरिक, अपंजीकृत कारखानों की दे सकेंगे सूचना

छतरपुर। श्रम विभाग मध्यप्रदेश द्वारा श्रमिकों की सुरक्षा बढ़ाने एवं उनके अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से 'श्रम प्रहरी पहल' शुरू की गई है। इस पहल के तहत कोई भी जागरूक नागरिक अपने आसपास संचालित ऐसे अपंजीकृत कारखानों, संस्थानों अथवा निर्माण कार्यों की सूचना श्रम विभाग को दे सकता है, जो श्रम कानूनों के दायरे में आते हैं और पंजीकृत नहीं हैं।'श्रम प्रहरी कोई सरकारी पद नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। इसके माध्यम से नागरिक श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा श्रम कानूनों के प्रभावी पालन में सहयोगी बन सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को अपने आसपास ऐसा कारखाना या व्यावसायिक प्रतिष्ठान दिखाई देता है, जो पंजीकृत नहीं है, तो वह इसकी सूचना श्रम विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करा सकता है। इसके लिए श्रम विभाग मध्यप्रदेश के ऑनलाइन पोर्टल पर अपंजीकृत कारखाने की जानकारी दर्ज की जा सकती है। इसके अतिरिक्त टोल-फ्री श्रमिक हेल्पलाइन नंबर 1800-233-8888 पर कॉल कर भी सूचना दी जा सकती है।

त्रि-स्तरीय पंचायत उप-निर्वाचन 2026: ई.व्ही.एम का प्रथम रेण्डमाइजेशन 16 को

छतरपुर। त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप-निर्वाचन वर्ष 2026 पूर्वाद्र्ध के निर्वाचन की तैयारियों के तहत ई.व्ही.एम. मशीनों का प्रथम रेण्डमाइजेशन 16 सितंबर 2026 को किया जाएगा। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल के निर्देशानुसार यह प्रक्रिया दोपहर 12 बजे कार्यालय जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी (एनआईसी), छतरपुर में संपन्न होगी। प्रथम रेण्डमाइजेशन की प्रक्रिया कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा अपर कलेक्टर एवं उप-जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में की जाएगी।रेण्डमाइजेशन के उपरांत आवंटित ई.व्ही.एम. मशीनों संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को प्रदाय की जाएंगी।अपर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन विनय द्विवेदी ने तहसीलदार एवं रिटर्निंग ऑफिसर, जनपद पंचायत छतरपुर एवं राजनगर को निर्देशित किया है कि निर्धारित तिथि, समय एवं स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। साथ ही आवंटित ई.व्ही.एम. मशीनों को ले जाने के लिए आवश्यकतानुसार कर्मचारियों, वाहनों एवं सुरक्षा व्यवस्था की समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

छतरपुर , नौगांव, महाराजपुर, खजुराहो, लवकुशनगर, गोरिहार, बक्सवाहा हरिभूमि 9

अनुपस्थित चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस, बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने के निर्देश; गंदगी पर सिक्वोरिटी एजेंसी पर पेनाल्टी के आदेश

जिला अस्पताल में कलेक्टर का औचक निरीक्षण, ओपीडी से 5 डॉक्टर मिले नदारद



इयूटी रोस्टर डिसप्ले करने के निर्देश कलेक्टर ने अस्पताल में चिकित्सकों और नर्सों के इयूटी रोस्टर की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान इयूटी रोस्टर निर्धारित स्थान पर प्रदर्शित नहीं मिला। इस पर उन्होंने तत्काल रोस्टर को निर्धारित स्थान पर डिस्प्ले करने के निर्देश दिए,

ताकि मरीजों और उनके परिजनों को इयूटी पर तैनात डॉक्टर एवं स्टाफ की जानकारी आसानी से मिल सके।

बायोमैट्रिक उपस्थिति पर जोर

कलेक्टर ने चिकित्सकों और नर्सों की बायोमैट्रिक उपस्थिति व्यवस्था की भी जांच की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी चिकित्सक प्राथमिकता से बायोमैट्रिक प्रणाली के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करें। साथ ही अस्पताल प्रबंधन को उपस्थिति व्यवस्था का नियमित रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एनसी क्लीनिक भी पहुंचे। यहां उन्होंने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर चेकअप में लगने वाले समय, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के संबंध में फीडबैक लिया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य

सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

गंदगी पर सिक्वोरिटी एजेंसी पर पेनाल्टी के आदेश

जिला अस्पताल परिसर में गंदगी मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर कृष्ण सिक्वोरिटी सर्विसेज पर पेनाल्टी अधिरोपित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अस्पताल परिसर में गंदगी फैलाने वाले लोगों के खिलाफ भी जुर्माने की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन को साफ-सफाई, चिकित्सकों की उपस्थिति और मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

कपड़े सिलाने के बहाने घर से निकली पत्नी लापता, शराबी पड़ोसी की हरकतों से परेशान महिला शिक्षक पहुंची एसपी ऑफिस, सुरक्षा की लगाई गुहार



थाने में सुनवाई नहीं होने पर एसपी कार्यालय पहुंचा पीड़ित, ससुराल पक्ष पर भी सहयोग करने का आरोप

छतरपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छापर निवासी मकुन्दी अहिरवार ने अपनी पत्नी के बिना बताए घर से चले जाने और स्थानीय थाना पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायती आवेदन दिया है। पीड़ित ने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच कर पत्नी को तलाशने और न्याय दिलाने की मांग की है। शिकायतकर्ता मकुन्दी अहिरवार पिता जन्तू अहिरवार के अनुसार, 16 अक्टूबर 2025 की सुबह करीब 10 बजे उसकी पत्नी रिकी अहिरवार कपड़े सिलाने की बात कहकर घर से निकली थी। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बावजूद जब पत्नी का पता

नहीं चला तो पति ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। रीवा के युवक के साथ जाने का आरोप

मकुन्दी अहिरवार ने अपने शिकायती आवेदन में आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी रीवा जिले के सोहागी थाना क्षेत्र के ग्राम अतरसुइया निवासी सत्यदेव चर्मकार के साथ चली गई है। पति ने आशंका जताई है कि दोनों के बीच पहले से संपर्क था और पत्नी उसी के साथ गई है। मायके पक्ष पर भी सहयोग करने का आरोप पीड़ित पति ने पत्नी के मायके पक्ष के लोगों पर भी उसे घर से ले जाने में सहयोग करने का आरोप लगाया है। शिकायत में पत्नी के पिता प्रेमलाल साकेत, मां सुनीता साकेत, भाई राजकुमार व अजय साकेत और बहन साधना साकेत के नामों का उल्लेख करते हुए मामले में उनकी भूमिका की जांच किए जाने की मांग की गई है।

थाने में सुनवाई नहीं होने का आरोप

मकुन्दी का कहना है कि उसने स्थानीय थाना पुलिस से मामले की शिकायत कर पत्नी को तलाशने और उचित कार्रवाई की मांग की, लेकिन उसकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायती आवेदन सौंपा। पीड़ित ने एसपी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर पत्नी का पता लगाने और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

धमोरा गांव में लाखों की चोरी, 3.50 लाख नकद सहित सोने-चांदी के जेवर ले उड़े चोर



छतरपुर। ओरछा रोड थाना क्षेत्र के धमोरा गांव में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर अलमारी का ताला तोड़कर करीब 3 लाख 50 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के कीमती आभूषण लेकर फरार हो गए। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर ओरछा रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार धमोरा निवासी विजय यादव किसी काम से घर से बाहर थे, जबकि उनकी पत्नी अभिलाषा यादव घर के एक कमरे में सो रही थीं। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने बगल के कमरे में प्रवेश कर अलमारी का ताला तोड़ा और उसमें रखे नकदी व जेवरात चोर कर लिए। बताया गया है कि बुधवार सुबह करीब 6 बजे विजय यादव घर पहुंचे और अपनी पत्नी को जगया। इसके बाद जब उन्होंने बगल के कमरे में जाकर देखा तो सामान

अस्त-व्यस्त पड़ा था। अलमारी की जांच करने पर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी गायब मिली। चोरी की जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। परिजनों के मुताबिक चोरी गए सामान में रानी हार, नेकलेस, दो हार, तीन अंगूठियां, चार चूड़ियां, चार जोड़ी झुमकी, चांदी की पायल और कमर पेटी सहित अन्य आभूषण शामिल हैं। इसके अलावा करीब 3.50 लाख रुपये नकद भी चोरी हुए हैं। चोरी गए जेवरात की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलने पर ओरछा रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके।

सीएसपी अरुण सोनी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

रक्षाबंधन की खरीदारी के दौरान पर्स चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार 8,500 नकद, एंड्रॉयड मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल होंडा शाइन बाइक बरामद

छतरपुर। थाना सिविल लाइन पुलिस ने महाराजा छत्रसाल चौक पर रक्षाबंधन पर्व की खरीदारी के दौरान महिला के बैग से पर्स चोरी करने की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 8,500 की नगद राशि, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल होंडा शाइन मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई गई है।पुलिस के अनुसार, चौबे कॉलोनी निवासी शंभू दयाल द्विवेदी ने थाना सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रक्षाबंधन पर्व की खरीदारी के दौरान महाराजा छत्रसाल चौक पर उनकी पुत्री के बैग से



पर्स चोरी हो गया। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता के तहत चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक

दर्ज होने के बावजूद आरोपी की धमकियां और परेशान करने की हरकतें जारी हैं। महिला शिक्षक ने बताया कि वह सरकारी शिक्षिका है और घर में अपनी 20 वर्षीय बेटी के साथ रहती है। आरोपी की कथित हरकतों के कारण उसे घर से बाहर निकलने और इयूटी पर जाने में भी डर और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जन्माष्टमी महोत्सव एवं श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन, लाख श्रद्धालुओं के लिए हुआ विशाल भंडारा

छतरपुर। शहर के पन्ना नाका स्थित प्रेम प्रतीक मंदिर, नरसिंह धाम में जन्माष्टमी महोत्सव के तहत आयोजित 108 अष्टोत्तरशत श्रीमद्भागवत कथा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण अनुष्ठान का मंगलवार को हवन, पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ विधिवत समापन हुआ। आयोजन के अंतिम दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा परिसर भक्ति व आस्था से सराबोर नजर आया।

31 अगस्त से 8 सितंबर तक चले इस आठ दिवसीय धार्मिक आयोजन में 1 सितंबर से प्रतिदिन सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक पार्थिव शिवलिंग निर्माण अनुष्ठान तथा शाम 4 बजे से 7:30 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा का वाचन महंत श्री सुदर्शन शरण जी महाराज ने किया। कथा श्रवण के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। कथा के दौरान नारद भक्ति संवाद, ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद चरित्र, अर्जामिल उपाख्यान, गज-ग्राह कथा, वामन



अवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, गोपी लीला, कंस वध, रुक्मिणी विवाह, सुदामा चरित्र, गोवर्धन पूजा और छप्पन भोग सहित भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया गया।

एक लाख श्रद्धालुओं के लिए तैयार हुआ प्रसाद

आयोजक एवं मुख्य यजमान समापन अवसर पर करीब एक लाख श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। विशाल भंडारे की तैयारियों में 98 महिला और 72 पुरुष कारीगरों ने मिलकर प्रसादी

तैयार की। सुबह से ही भंडारे की तैयारियां शुरू कर दी गई थीं और श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थित तरीके से प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। हवन एवं पूर्णाहुति के साथ धार्मिक अनुष्ठानों का समापन हुआ। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजकों के अनुसार, जन्माष्टमी महोत्सव के साथ श्रीमद्भागवत कथा और पार्थिव शिवलिंग निर्माण का यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक आस्था के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रीवा में राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का शंखनाद: 'हमारी आंगनबाड़ी हमारी जिम्मेदारी' थीम पर देशव्यापी अभियान शुरू

रीवा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज रीवा के होटल स्टार में ‘राष्ट्रीय पोषण माह 2026’ के शुभारंभ के अवसर पर एक भव्य जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह पूरा अभियान ‘हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी’ की मुख्य थीम पर चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कुपोषण के खिलाफ जंग में समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है

वाराणसी से हुआ सीधा प्रसारण, आंगनवाड़ियों में जुटी महिलाएं

कार्यशाला के दौरान वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के मुख्य शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव (लाइव) प्रसारण दिखाया गया। इसे कार्यक्रम में मौजूद सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने देखा। इसके साथ ही डिजिटल कनेक्टिविटी का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए, रीवा जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर कार्यकर्ताओं ने स्थानीय महिला हितग्राहियों को इस सीधे प्रसारण से जोड़ा और उन्हें लाइव कार्यक्रम दिखाया।

उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान का नवाचार, जनप्रतिनिधियों ने किया शिक्षकों का सम्मान

रीवा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रायपुर कर्चुलियान में बुधवार को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 67 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रणव प्रताप सिंह तथा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह रहे। इस अवसर पर डीपीसी रीवा राजेश तिवारी, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गंगा प्रसाद उपाध्याय, वरिष्ठ प्राचार्य वरुणेंद्र प्रताप सिंह, प्राचार्य हाई स्कूल गुरु राघवेंद्र सहनौरा, शिक्षक प्रभाकर सिंह, रामकृष्ण द्विवेदी, जन शिक्षक विशाल शुक्ला, कौशलेंद्र मणि त्रिपाठी, सुरेंद्र पांडे, सुदीप पांडे, अरुण द्विवेदी, पुनीत दीक्षित, मिली सिंह, रविधर द्विवेदी, भारतीय, राजेश पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षा जगत से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

शिक्षकों को राज्य एवं राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए किया प्रोत्साहित

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों का सम्मान गौरव का विषय है। उन्होंने रीवा संभाग के शिक्षकों को राज्यपाल एवं राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए बेहतर कार्य करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने सम्पन्न और नवाचार के माध्यम से जिले और संभाग का नाम रोशन कर सकते हैं।

शिक्षक भविष्य की नींव तैयार करते हैं

जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष प्रणव प्रताप सिंह ने अपने उद्घोष में कहा कि शिक्षा प्रसार **IAS** और **IPS** अधिकारियों का समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होता है, उसी प्रकार शिक्षकों की भूमिका भी अतुलनीय है। शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे भविष्य की नींव तैयार करते हैं। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को इसी समर्पण के साथ बेहतर कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया।समारोह में सम्मानित शिक्षकों ने अपने कार्य, समर्पण, योगदान और उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए आयोजकों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का सफल संचालन सिद्ध्यर्थ श्रीवास्तव द्वारा किया गया। समारोह में शिक्षकों के सम्मान के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया गया।

रीवा में अंतरराष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण दिवस मनाया गया

वन विभाग, संरक्षण संगठनों और हितधारकों ने गिद्ध संरक्षण के लिए तैयार किया रोडमेप रीवा।अंतरराष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को जयंतीकृत्र जन कार्यालय में विशेष बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीएफओ लोकेश निरापूरे की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में रीवा जिले में गिद्ध संरक्षण की दिशा में भविष्य की कार्ययोजना एवं रोडमैप तैयार करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ गिद्ध संरक्षण के लिए कार्य कर रहे

भारतीय जनता पार्टी मऊगंज द्वारा आयोजित जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न

मोदी के नेतृत्व में बड़ा भारत का गौरव- जनार्दन मिश्रा सांसद आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान की कार्ययोजनाओं को लेकर सार्थक एवं विस्तृत चर्चा

मऊगंज भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न हुई जिसमेमहेश्वरी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के देश की सेवा करते हुए 25 वर्ष पूरा करने के

3 उप निरीक्षक पदोन्नत होकर बने निरीक्षक

सिंगरौली। पुलिस विभाग में पदोन्नति के क्रम में सिंगरौली जिले में पदस्थ उप निरीक्षक उदय करिहार, उप निरीक्षक पवन कुमार सिंह एवं उप निरीक्षक सूरज सिंह को निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति के अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिंगरौली शिषाज के.एम. एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली सर्वोपेय सिन्हा ने तीनों नवपदोन्नत अधिकारियों के कंधों पर नवीन पद के अनुरूप स्टार लगाकर उन्हें पदोन्नति की बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शिषाज के.एम. ने कहा कि पदोन्नति पद में वृद्धि के साथ साथ जिम्मेदारियों और दायित्वों में भी वृद्धि है। उन्होंने तीनों नवपदोन्नत निरीक्षकों से अपने



वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस जिला स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास रीवा संभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती शशिश्याम उड़के उपस्थित रहीं। पूरा आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास, रीवा) के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में

संभाग और जिले के सभी परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, पोषण अभियान के जिला समन्वयक और ब्लॉक समन्वयक विशेष रूप से मौजूद रहे।

महीने भर की कार्ययोजना तैयार, मैदानी अमले को निर्देश कार्यशाला में ‘हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी’ की मूल भावना को ध्यान में रखते हुए महीने भर चलने वाली गतिविधियों की विस्तृत कार्ययोजना (कैलेंडर) प्रस्तुत की गई। विभागीय गतिविधि कैलेंडर के अनुसार प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी अमले को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही उपस्थित अधिकारियों से सुझाव लेकर जन-जागरूकता बढ़ाने और समुदाय को आंगनवाड़ी केंद्रों से सीधे जोड़ने पर विस्तार से चर्चा की गई।

सजीएमएच के नवागत अधीक्षक के निजी अस्पताल में निरीक्षण के नाम पर प्रवेश करने का प्रयास



रीवा। संजय गांधी अस्पताल के नवनियुक्त अधीक्षक डॉ प्रियंक शर्मा से जुड़े निजी संस्थान सिटी हॉस्पिटल में बुधवार को उस समय हांगमे की स्थिति निर्मित हो गई जब आम आदमी पार्टी के नेता प्रमोद शर्मा अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे और अस्पताल की व्यवस्थाओं की जांच करने के लिए अंदर जाने का प्रयास किया। अस्पताल प्रबंधन की अनुमति के बिना समूह के प्रवेश की कोशिश के बाद मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को पहुंचना पड़ा। काफी देर तक सम्झाव्ह और बातचीत के बावजूदस्थिति सामान्य नहीं हुईतो पुलिसने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। घटना के दौरान अस्पताल परिसर में काफी संख्या में लोगों के एकत्र होने से मरीजों और उनके परिजनो में भी असहज स्थिति दिखलाई दी। स्थान मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें अस्पताल परिसर में प्रवेश नहीं करने की सम्झाव्ह दी। जागकारी के मुताबिक, सिस्मोेर चौराहे पर चल रहे ध्वने के दौरान आम आदमी पार्टी के नेता प्रमोद शर्मा कुछ समर्थकों के साथ सिटी हॉस्पिटल पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे अस्पताल के भीतर जाकर मरीजों से बातचीत करना चाहते हैं और वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, साफ-सफाई तथा अन्य हदयस्त्राओं की स्थिति देखना चाहते हैं। प्रदर्शनकारियों के अस्पताल परिसर में प्रवेश के प्रयास के बाद मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। देखते ही देखते अस्पताल के बाहर पुलिस बल तैनात हो गया। हांगमे की सूचना मिलने पर एसडीएस अनुराग तिवारी सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। तहसीलबंद, सीएसपी और पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों को सम्झाव्ह का प्रयास किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी निजी अस्पताल परिसर में बिना अनुमति समूह के सारा प्रवेश कर जांच करना कानूनन अतिक्रुत प्रक्रिया नहीं है। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी अस्पताल के भीतर जाने की मांग पर अड़े रहे।इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्का की स्थिति भी बनी। काफी देर तक चले विवाद के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को मौके से हटया और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया।

कबड्डी के जरिए युवाओं को दिया संरक्षण का संदेश

अंतरराष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण दिवस का संदेश युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से यूनिवर्सिटी बायपास क्षेत्र में किशोरों के बीच कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। खेल गतिविधि के माध्यम से युवाओं को वन्यजीव एवं जलवायु संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। वन्यजीव एवं जलवायु विशेषज्ञ देवादित्य सिन्हा एवं सहलाम मंसूरी ने युवाओं को संबोधित करते हुए पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण में उनकी सक्रिय भूमिका पर जोर दिया।कार्यक्रम के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि वन विभाग, स्थानीय संरक्षण संगठनों, समुदाय और अन्य हितधारकों के समन्वित प्रयासों से ही रीवा में गिद्धों एवं उनके प्राकृतिक आवास का दीर्घकालीन संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है।

रीवा, मऊगंज, सिंगरौली हरिभूमि 10

संजय गांधी अस्पताल में एक मरीज-एक परिजन व्यवस्था लागू, गेट पर दिनभर हो रही कहासुनी

रीवा। संजय गांधी अस्पताल में मरीजों के साथ बड़ी संख्या में मौजूद रहने वाले परिजनों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंगलवार से एक मरीज के साथ एक परिजन की व्यवस्था को फिर से प्रभावी करने की कवायद शुरू कर दी गई। बुधवार को अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षाकर्मियों ने वार्डों में मौजूद अतिरिक्त परिजनों को बाहर निकालना शुरू किया तो अस्पताल के प्रवेश द्वार से लेकर वार्डों तक दिनभर अव्यवस्था की स्थिति बनी रही। कई स्थानों पर मरीजों के परिजनों और सुरक्षाकर्मियों के बीच बहस और कहासुनी भी होती रही। प्रशासन की ओर से व्यवस्था लागू करने के निर्देश तो दिए गए, लेकिन अस्पताल परिसर में मरीजों के साथ आने वाले अतिरिक्त परिजनों के बैठने अथवा उनके इंतजार करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से परेशानी और बढ़ गई। कई परिजन घंटों घूंप और शर्मा को अस्पताल के बाहर खड़े रहे, जबकि कुछ लोग पार्किंग और बरामदों में बैठकर अपने मरीज की जानकारी और बुलावे का इंतजार करते दिखाई दिए।व्यवस्था लागू होने के दौरान अस्पताल की एक अन्य समस्या भी सामने आई। कई मरीजों को वार्ड अथवा ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने में उनके परिजनों को स्वयं मशक्कत करनी पड़ी। अस्पताल में मौजूद वार्ड बाँय से मदद नहीं मिलने की शिकायतों भी सामने आईं।मरीजों के परिजनों का आरोप है कि कई बार उन्हें स्टूटचर या व्हीलचेयर की व्यवस्था स्वयं करनी पड़ती है और मरीज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए परिवार के सदस्यों को ही जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। गंभीर मरीजों के मामले में यह स्थिति और अधिक परेशानी वाली हो जाती है।

मोजन-पानी और जरूरी सामान पहुंचाना बना चुनौती

एक मरीज के साथ केवल एक परिजन को वार्ड में रहने की अनुमति दिए जाने से सबसे अधिक परेशानी उप परिवारों को हुई, जिसके मरीजों को लंबे समय तक मर्ती रखा गया है। मरीज के लिए मोजन, पानी, कपड़े, दवाइयाँ और अन्य जरूरी सामान लेकर आने वाले परिजनों को अस्पताल के गेट पर ही रोक दिया गया। कई लोगों को सुरक्षाकर्मियों से अनुग्रह करते हुए देखा गया कि वे कम से कम मरीज तक मोजन अथवा जरूरी सामान पहुंचाने की अनुमति दें। अस्पताल में मर्ती मरीज के साथ मौजूद परिजन को यदि किसी काम से बाहर जाना पड़े तो उसके वापस आने तक दूसरे सदस्य को वार्ड में प्रवेश नहीं मिल सता। ऐसे में मरीज की देखभाल करने वाले परिवारों के सामने व्यावहारिक कठिनाइयाँ भी खड़ी होती रही।

एक मरीज के साथ अधिक परिजन

प्रबंधन की सख्ती के बावजूद बुधवार को कई वार्डों में एक मरीज के साथ एक से अधिक परिजन मौजूद दिखाई दिए। अस्पताल के मेडिसिन वार्ड में यह स्थिति अधिक नजर आई। यहां मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण वार्ड में भीड़ का दबाव भी ज्यादा रहा। इसके अलावा सर्जरी, ओर्थोपेडिक, टीबी एवं चैस्ट विभाग सहित अन्य वार्डों में भी कुछ मरीजों के साथ एक से अधिक परिजन मौजूद रहे। अस्पताल प्रबंधन का अमला पूरे दिन व्यवस्था को लागू करने में जुटा रहा। सुरक्षाकर्मियों को भी निर्देश दिए गए कि निर्धारित संख्या से अधिक परिजनों को वार्ड में प्रवेश न दिया जाए। हालाँकि व्यवस्था लागू होने के मंगलवार को पहले दिन कई स्तर पर व्यावहारिक परेशानियाँ सामने आईं।

प्रशासन के निरीक्षण के बाद लिया गया निर्णय

गौरतलब है कि सोमवार रात कलेक्टर ने पूरे प्रशासनिक

अमले के साथ संजय गांधी अस्पताल का निरीक्षण किया था। इससे पहले कमिश्नर शैलेन्द्र सिंह ने भी अस्पताल का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वार्डों में मरीजों के साथ बड़ी संख्या में परिजनों की मौजूदगी पर नाराजगी जताई थी। अधिकारियों का मानना था कि वार्डों में अनावश्यक भीड़ के कारण मरीजों के उच्चार और अस्पताल की व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन को एक मरीज के साथ एक परिजन की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए। इसी निर्देश के पालन में मंगलवार से सुरक्षाकर्मियों और अस्पताल कर्मचारियों ने व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की शुरुआत की।

रीवा-सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन ने सड़क पर बैठी गायों को कुचला, 10 गोवंश की मौत

गोवंश पड़े रहने से राहगीरों और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि हादसे के बाद काफी समय बीत जाने के बावजूद मृत गोवंश को सड़क से हटाने की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। इससे हादसे से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर पड़े मृत पशुओं के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ रहा है या उन्हें बचाकर निकलना पड़ रहा है। ऐसे में तेज गति से चलने वाले वाहनों के बीच टक्कर होकर की आशंका भी बनी हुई है।

सिंगरौली। एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने मंगलवार को कोल इंडिया लिमिटेड की सिंगरौली स्थित अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का कार्यभार वाह किया। एक अनुभवी खनन पेशेवर के रूप में श्री जयकुमार को भारत तथा विदेश में भूमिगत तथा खुली मैकेनाइज्ड कोयला खदानों के साथ लिग्नाइट खनन और परिचालन का 34 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। एनसीएल सीएमडी का कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व वे कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में निदेशक (तकनीकी/संचालन) के पद पर कार्यरत थे। बतौर निदेशक (तकनीकी) एसईसीएल, जयकुमार ने खदानों के आधुनिकीकरण और मशीनीकरण को बढ़ावा देते हुए कोयले के उत्पादन, प्रेषण और अंतिमार्ग हटाय में कंपनी के रिकॉर्ड प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया । इस दौरान एसईसीएल में उन्होंने सोलर, ग्रीन



दिए। अस्पताल के मेडिसिन वार्ड में यह स्थिति अधिक नजर आई। यहां मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण वार्ड में भीड़ का दबाव भी ज्यादा रहा। इसके अलावा सर्जरी, ओर्थोपेडिक, टीबी एवं चैस्ट विभाग सहित अन्य वार्डों में भी कुछ मरीजों के साथ एक से अधिक परिजन मौजूद रहे। अस्पताल प्रबंधन का अमला पूरे दिन व्यवस्था को लागू करने में जुटा रहा। सुरक्षाकर्मियों को भी निर्देश दिए गए कि निर्धारित संख्या से अधिक परिजनों को वार्ड में प्रवेश न दिया जाए। हालाँकि व्यवस्था लागू होने के मंगलवार को पहले दिन कई स्तर पर व्यावहारिक परेशानियाँ सामने आईं।

प्रशासन के निरीक्षण के बाद लिया गया निर्णय

गौरतलब है कि सोमवार रात कलेक्टर ने पूरे प्रशासनिक अमले के साथ संजय गांधी अस्पताल का निरीक्षण किया था। इससे पहले कमिश्नर शैलेन्द्र सिंह ने भी अस्पताल का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वार्डों में मरीजों के साथ बड़ी संख्या में परिजनों की मौजूदगी पर नाराजगी जताई थी। अधिकारियों का मानना था कि वार्डों में अनावश्यक भीड़ के कारण मरीजों के उच्चार और अस्पताल की व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन को एक मरीज के साथ एक परिजन की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए। इसी निर्देश के पालन में मंगलवार से सुरक्षाकर्मियों और अस्पताल कर्मचारियों ने व्यवस्था को सख्ती से लागू करने की शुरुआत की।

रीवा। रीवा-सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-39 पर कसई पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया,सड़क पर बैठे गोवंश के झुंड को एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। हादसे में करीब 10 गायों की मौके पर ही मौत होने की जानकारी सामने आई है, जबकि दो अन्य गायें गंभीर रूप से घायल बताई गई है, घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि रात के समय कई गायें राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठी हुई थीं। इसी दौरान तेज गति से गुजर रहे अज्ञात वाहन ने सड़क पर बैठे गोवंश को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई गायों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर मृत गोवंश पड़े रहने से राहगीरों और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि हादसे के बाद काफी समय बीत जाने के बावजूद मृत गोवंश को सड़क से हटाने की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। इससे हादसे से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर पड़े मृत पशुओं के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ रहा है या उन्हें बचाकर निकलना पड़ रहा है। ऐसे में तेज गति से चलने वाले वाहनों के बीच टक्कर होकर की आशंका भी बनी हुई है।

एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने ग्रहण किया एनसीएल सीएमडी का पदभार



मोबिलिटी, कोल गैसीफिकेशन और एनर्जी स्टोरेज जैसे दीर्घकालिक विकास पहलों का नेतृत्व भी किया। साथ ही उन्होंने कोयले की सैपलिंग में टेक्नोलॉजी-आधारित ऑटोमेशन और पैरामर्शिता को बढ़ावा दिया। इससे पूर्व वे नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड की तालाबीरा II&III खदानों में कार्यकारी निदेशक/कोयला समन्वयक

तथा परियोजना प्रमुख सहित विभिन्न पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विंडी, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई से खनन अभियांत्रिकी में स्नातक श्री जयकुमार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद से पर्यावरण अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा अलानप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु से मानव संसाधन प्रबंधन में एमबीए किया है।

जयकुमार ने सिंगरौली कोलियरीज कंपनी लिमिटेड से अपने करियर की शुरुआत की और वहां मैकेनाइज्ड भूमिगत एवं खुली खदानों में विभिन्न पदों पर कार्य किया। तत्पश्चात उन्होंने इंडोनेशिया में कोयला खनन परियोजना को अपना नेतृत्व दिया। इसके बाद वे नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन (एनएलसी) इंडिया लिमिटेड से जुड़े, जहां उन्होंने कई परिचालन एवं तकनीकी दायित्व संभाले। एनएलसी इंडिया में उनके दायित्वों में लिग्नाइट-से-मेथेनॉल जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना का नेतृत्व भी शामिल था।

सिविल अस्पताल में ब्लॉक स्तरीय सघन जन जागरूकता अभियान की बैठक संपन्न

मऊगंज।सिविल अस्पताल में डॉ एस डी कोल बीएमओ की अध्यक्षता और डॉ हरिश कुमार सोनी जिला नोडल की उपस्थिति में सघन जन जागरूकता अभियान की बैठक संपन्न हुई जिसमे एसएसके मैनेजर पुष्पराज विश्वकर्मा द्वारा बताया गया कि सघन जन जागरूकता अभियान 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा हैएचआईएसएस रिपोर्टिंग, एचआईवी जांच एवं सघन जागरूकता अभियान 3.0 के प्रभावी क्रियाव्यवस्था हेतु ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम स्तर पर जागरूकता गतिविधियों, प्रत्येक ग्राम में 5 घंटे तक डोर-टू-डोर संपर्क तथा एचआईएसएस की गुणवत्तापूर्ण रिपोर्टिंग पर चर्चा की गई। एचआईएसएस के 15.3 एवं 15.4 के सभी बिंदुओं की रिपोर्टिंग में हुई त्रुटियों को प्रशिक्षण के माध्यम से सुधारने तथा आगामी दिनों से शत-प्रतिशत एवं सही रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही एचआईएसएस के अनुसार सभी गर्भवती माताओं की एचआईवी जांच सुनिश्चित करने तथा रिक्टिव पाए जाने पर उन्हें नजदीकी आईसीटीसी केंद्र पर रेफर करने पर जोर दिया गया। मुख्य उद्देश्य: एचआईवी जांच में वृद्धि, सही एचआईएसएस रिपोर्टिंग एवं सघन जागरूकता अभियान 3.0 को ग्राम स्तर तक प्रभावी रूप से लागू करना। बैठक में उपस्थित डॉ एस डी कोल बीएमओ, डॉ पंकज सिंह गहवरवार एम ओ, डॉ हरिश कुमार सोनी जिला नोडल, सेक्टर सुपरवाइजर रमनिवास तिवारी, प्रमारी बीईई संतोष चव्हेदी, सेक्टर सुपरवाइजर डिखलाल मिश्रा,नीलज तिवारी, बीपीएस, एस एस के मैनेजर पुष्पराज विश्वकर्मा,काउंसलर अनिरुद्ध सिंह, सभी सीईओ, सभी एएनएस, सभी आशा पर्वदेक्षक, डी ईओ शुभम शुक्ला और सभी स्टाफ उपस्थित रहकर बैठक को सफल बनाया गया



एसडीएम देवसर के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 से हटाया गया अतिक्रमण

सिंगरौली। देवसर बाजार क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 के किनारे लंबे समय से अतिक्रमण के कारण आवागमन प्रभावित होने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। अतिक्रमण के संबंध में समय-समय पर प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की पुख्ता कार्रवाई की गई। एसडीएम देवसर के नेतृत्व में राजस्व एवं संबंधित विभागों के अमले द्वारा तहसील देवसर अंतर्गत ग्राम नौदिया एवं देवसर बाजार क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग की सीमा में किए गए अनधिकृत निर्माण एवं अन्य अतिक्रमण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान सड़क की सीमा में किए गए अतिक्रमण को हटाकर मार्ग के दोनों ओर का क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन सुगम होने के साथ ही सड़क सुरक्षा की स्थिति बेहतर होने की उम्मीद है। विशेष रूप से बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात संबंधी समस्याओं एवं दुर्घटना की आशंका को कम करने में यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं शासकीय भूमि की सीमा में किसी भी प्रकार का अनधिकृत निर्माण अथवा अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने तथा अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने आमजन से व्यापारियों से अपील की है कि वे राष्ट्रीय राजमार्ग एवं शासकीय भूमि की सीमा में अतिक्रमण न करे तथा यातायात एवं जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन का सहयोग करें।

